

111:- द्वितीय अवधीन लकड़ी का चिकित्सा वापस
द्वितीय ग्राहनिक व विषानिक रुग्णों वर्गमें
अल्प रुग्ण। यह अद्यतम रुग्ण, जिन्हें प्रबोधन के
पूर्व अवश्यक होता है, यह द्वितीय G.E. Moore
वाले विषानिक रुग्ण।

ବିନି କୁଳାଙ୍ଗରେ ହୀନ ପାତାର କଣା ଏବଂ କାଳିଶକ
ବିନି କୁଳାଙ୍ଗରେ ହୀନ ପାତାର କଣା ଏବଂ କାଳିଶକ
ବିନି କୁଳାଙ୍ଗରେ ହୀନ ପାତାର କଣା ଏବଂ କାଳିଶକ

କୁଣ୍ଡଳ ଲକ୍ଷ୍ମୀ ଦ୍ରାବ୍ଦ ନାନ୍ଦିରେ ଚାନ୍ଦୀପୁର ଜଗନ୍ନାଥ

